प्रांजल

हिंदी पाठमाला

2

1. विनती

(क) 1. (iii) ज्ञान
2. (iv) विद्यालय में
3. (i) कष्टों से

(ख) 1. भगवान से — 2. भगवान का
3. माता-पिता की — 4. विद्यालय
5. विद्वान — 6. कष्टों से

(ग) 1. कहना माने — 2. माता-पिता से
3. हम हरदम उनका — 4. सदा करें

(घ) 1. हाँ 2. नहीं 3. नहीं 4. हाँ 5. हाँ

(ङ) 1. अज्ञान — 2. अपमान
3. सुख — 4. अनादर
5. दु:ख — 6. डर
7. कभी-कभी

(च) 2. ध्यान — ध् + अ + य् + आ + न् + अ
3. विद्वान — व् + इ + द् + अ + व् + आ + न् + अ
4. कष्ट — क् + अ + ष् + ट् + अ
5. सच्चे — स् + अ + च् + च् + अ + ए

(छ) 1. ज्ञान प्राप्त करके भगवान महवीर विजेता कहलाये।
2. आदर पाकर हर मानव प्रसन्न होता है।
3. विद्वान कम बोलते हैं।
4. माता-पिता का आदर करना संतान का कर्त्तव्य है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

शिक्षा पाकर व्यक्ति विवेकवान और बुद्धिमान बनता है। समाज में क्या सही और क्या गलत है, इसका बोध हो जाता है। वह अपने-पराये पहचान सकता है। वह उदार बनकर समाज का भला करता है।

❑

2. ईमानदारी का फल

(क) 1. (iii) अकाल
2. (i) एक
3. (iii) मोहर

(ख) 1. एक बार देश में अकाल पड़ा।
2. धनी व्यक्ति लोगों को रोटी देना चाहता था।

3. छोटी लड़की को एक मोहर मिली।
4. लड़की ने ले जाकर मोहर धनी व्यक्ति को दे दी।
5. धनी व्यक्ति ने छोटी लड़की को धर्मपुत्री बना लिया।

(ग) 1. हाँ 2. नहीं 3. नहीं 4. हाँ 5. हाँ

(घ) 2. मोहर — रक्षा — क्षणिक — कमर
3. एक — कसरत — तरकीब — बत्तख
4. व्यक्ति — तलवार — रमा — माता

(ङ) 1. अनेक बार 2. बड़ा
3. पहला 4. अप्रसन्न
5. पीछे

(च) 1. बच्चे 2. रोटियाँ
3. मोहरें 4. लड़कियाँ

(छ) 1. स्त्री 2. औरत
3. बच्ची 4. लड़की

(ज) 1. ईमानदारी से जीवन में संतोष मिलता है।
2. ईमानदारी से समाज का भला होता है।
3. ईमानदारी से नैतिक मूल्य, उदारता, भाईचारा, विश्वास आते हैं।
4. ईमानदारी से संघर्ष करने की क्षमता बढ़ती है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

स्वयं करें।

❑

3. रसीले आम

(क) 1. (i) गर्मी
2. (iv) ये सभी
3. (i) आम

(ख) 1. आम को
2. गर्मी में
3. दो प्रकार
4. अचार, आम की चटनी, मुरब्बा, शरबत आदि।
5. सात प्रकार
6. दरवाजे, खिड़की बनाते हैं
7. पके आम को

(ग) 1. फलों 2. आम
3. अचार 4. हरा-भरा
5. अनेक

(घ) 1. नहीं 2. नहीं 3. हाँ 4. हाँ

(ङ) 1. रंक 2. नया
3. कम 4. बदबूदार
5. सर्दी 6. पक्का
7. गीले 8. विदेश

(च) 1. फलों 2. कच्चे
3. दरवाजे 4. खिड़कियाँ
5. ऋतुएँ 6. पत्ते

(छ) 2. विश्व — व् + ई + ष् + व् + अ्
3. कच्चा — क् + अ् + च् + च + आ
4. प्रकार — प् + र् + अ् + क् + आ + र + अ
5. खिड़की — ख + इ + ड + क + ई

(ज) 1. हमें आम पसंद है। यह बहुत मीठा होता है।
2. इसे खाकर मन प्रसन्न हो जाता है।
3. इसमें विटामिन A, C और D पाये जाते हैं।
4. दशहरी, गुलाब जामुन, चौसा बहुत स्वादिष्ट आम होते हैं।
5. आम से ठंडा पेय भी बनाया जाता है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

1. सूखे फल व मेवे पेट को सही रखते हैं।
2. सूखे मेवों में फाइबर होता है जो पाचन शक्ति बढ़ाता है।
3. इनमें अनेक खनिज और विटामिन होते हैं जो स्वास्थ्य अच्छा रखते हैं।
4. ये सर्दी में ऊर्जा देकर शरीर को गर्म बनाये रहते हैं।
5. इनसे हमारी बीमारियों से लड़ने वाली ताकत बढ़ती है।
6. इनसे नेत्र ज्योति अच्छी होती है।

❑

4. बारिश की मस्ती

(क) 1. (i) बारिश
2. (i) काली घटा
3. (iii) सड़क पर

(ख) 1. नाव कागज की बनी हुई है।

2. सड़कों पर पानी उठ गया।
3. बारिश में रिमझिम फौहारें अच्छी लगती हैं।

(ग) 1. अच्छी
2. खूब
3. बारिश
4. छाते

(घ) 1. बिरंगा 2. अच्छे
3. फौहारें 4. काले

(ङ) 2. रिमझिम — र + इ + म + अ + झ + इ + म् + अ
3. नाव — न + आ + व + अ
4. काली — क + आ + ल + ई

(च) 1. काली घटा में मन मस्त हो जाता है।
2. मस्ती भी जीवन में बहुत जरूरी है।
3. छाते बारिश और धूप में लगाये जाते हैं।
4. लोग खाली वक्त में गपशप करते हैं।

जीवन कौशल मूल्य

स्वयं लिखें।

❑

5. झूठी प्रशंसा का फल

(क) 1. (i) जंगल में
2. (i) रोटी का टुकड़ा
3. (i) शाखा पर

(ख) 1. लोमड़ी भोजन की तलाश कर रही थी।
2. लोमड़ी ने पेड़ की शाखा पर कौवा बैठा देखा।
3. लोमड़ी कौवे की चोंच में रोटी का टुकड़ा देखकर अत्यन्त खुश हुई।
4. अपनी प्रशंसा सुनकर कौवा खुशी से फूल उठा।
5. गाने के लिए कौवे ने मुँह खोला।
6. रोटी का टुकड़ा जमीन पर गिर पड़ा।

(ग) 1. नहीं २. हाँ ३. नहीं 4. हाँ

(घ) 1. रंक 2. बुराई
3. बेसुरा 4. बदसूरत
5. कम

(ङ) 1. रोटियाँ 2. लोमड़ियाँ

3. टुकड़े 4. पेड़ों
5. योजनाएँ 5. पक्षियों

(च) 1. झूठी प्रशंसा कुछ पाने के लिए की जाती है।
2. हमें झूठी प्रशंसा से सावधान रहना चाहिए।
3. झूठी प्रशंसा से अपना सम्मान गिरता है।
4. जो झूठी प्रशंसा करते हैं, मतलबी होते हैं।
5. झूठी प्रशंसा से मूर्ख प्रसन्न हो जाते हैं।

जीवन कौशल एवं मूल्य

स्वयं करें।

❑

6. क्रिसमस

(क) 1. (iv) क्रिसमस
2. (ii) उपहार
3. (iii) गिरिजाघर

(ख) 1. ईसाइयों का प्रसिद्ध त्योहार क्रिसमस है।
2. क्रिसमस प्रतिवर्ष 25 दिसम्बर को मनाया जाता है।
3. ईसाइयों का धर्मग्रन्थ बाईबल है।
4. ईसाई लोग गिरिजाघर में प्रार्थना गीत गाते हैं।

(ग) 1. प्रार्थना
2. केक
3. क्रिसमस ट्री
4. सांता क्लॉज

(घ) 1. हाँ 2. नहीं 3. नहीं 4. हाँ

(ङ) 2. खुशी — शीशा — शाान — नदी
3. दिन — नमी — मीत — तीर
4. विशेष — षड्यंत्र — त्रिशूल — लड़का

(च) 1. अप्रसिद्ध 2. छोटा
3. अलग होकर 4. बुरा
5. अनेक

(छ) 1. औरत 2. शेरनी
3. बुढ़िया 4. गधी

(ज) 1. अच्छा काम करके खुशी होती है।
2. प्रार्थना से आत्मा को शान्ति मिलती है।

3. त्योहारों व शुभ अवसरों पर उपहार दिए जाते हैं।
4. प्रसिद्ध होने के लिए परिश्रम व लगन चाहिए।

जीवन कौशल एवं मूल्य

हम सभी त्योहार मिल-जुलकर मनाएँगे तो समाज में भाईचारा बढ़ेगा। भाईचारा बढ़ने से देश आगे बढ़ेगा और खुशहाली आएगी।

❑

7. चूहे की शादी

(क) 1. (i) चूहे की
2. (i) योजना
3. (iv) गधेराम

(ख) 1. चूहे चाचा को बुखार हो गया।
2. गधेराम को ससुराल भेजा गया।
3. शादी में दो सौ लोग बुलाये गये।

(ग) 1. चुहिया 2. बिलाव
3. गधी 4. शेरनी

(घ)

1. विवाह	परिणय	पाणिग्रहण
2. वर्षा	बरसात	चौमासा,
3. बनावट	रचना	युक्ति

(ङ) 1. बारिश में सुखद एहसास होता है।
2. शादी एक पवित्र बंधन है।
3. बरफी मुझे बहुत पसंद है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

1. यदि किसी को बुखार हो जाये तो उसे डॉक्टर के पास ले जायेंगे।
2. उसको समय पर दवाईयाँ देंगे।
3. स्वच्छता का ध्यान रखेंगे।
4. उसे एहसास दिलाएँगे वो जल्दी ठीक हो जाएगा।
5. शोर-शराबा नहीं करेंगे।

❑

8. रेत और चीनी

(क) 1. (ii) मर्तबान
2. (iii) चीनी
3. (iv) चीटियाँ

(ख) 1. बीरबल अकबर के विशेष सलाहकार और मंत्री थे।
2. दरबारी के हाथ में शीशे का मर्तबान था।
3. अकबर ने बीरबल को रेत से चीनी अलग करने की समस्या दी।
4. बीरबल ने मर्तबान से भरा सारा मिश्रण आम के वृक्ष के चारों ओर बिखेर दिया।

(ग) 1. हाँ 2. नहीं 3. नहीं 4. हाँ

(घ) 1. अनेक 2. चीटियाँ
3. दाने 4. दरबारियों
5. समस्याएँ 6. पेड़ों

(ङ) 1. बाएँ 2. पिछला
3. रात 4. रोना
5. बाहर

(च) 1. बादशाह 2. रानी
3. सलाहकारिन

(छ) 2. बादशाह — ब + आ + द + अ + श + आ + ह + अ
3. चतुर — च + अ + त + उ + र + अ
4. दरबारी — द + अ + र + अ + ब + आ + र + ई
5. चीनी — च + ई + न + ई

विचार कौशल

1. गान के बोल बहुत अच्छे हैं।
2. अलग घर बनाकर अभय खुश है।
3. चीनी बिना चाय का मजा नहीं है।
4. रेत घर बनाने के काम आता है।
5. अब मेरा मन शान्त है।

(झ) छात्र स्वयं करें।

जीवन कौशल एवं मूल्य

छात्र स्वयं करें

❑

9. चालाक गधा

(क) 1. (ii) गधा
2. (iii) पड़ोसियों को
3. (ii) मिट्टी

(ख) 1. कुएँ में किसान का गधा गिर गया।
2. किसान ने गधे को कुएँ में ही दफनाना चाहा; क्योंकि गधा काफी बूढ़ा हो चुका था।

3. अपनी अक्ल का उपयोग करने से हम हर मुसीबत से निकल सकते हैं।

(ग) 1. जवान 2. ऊपर
3. अशान्त 4. हानि

(घ) 1. फावड़े 2. पड़ोसियों

(ङ) 1. विचार करके ही कोई कार्य करना चाहिए।
2. कूदना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।
3. शान्त व्यक्ति का सभी आदर करते हैं।
4. मदद की जरूरत सभी को पड़ती है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

विपत्ति में भी साहस नहीं खोना चाहिए और विपत्ति से बाहर आने के लिए समझदारी से कोशिश करनी चाहिए।

❑

10. मन करता है

(क) 1. (i) सूरज
2. (iv) कोयल
3. (iii) चरखी

(ख) 1. कवि चंदा बनकर सब तारों पर अकड़ दिखाना चाहता है।
2. चिड़िया ची-ची, चूँ-चूँ करके शोर मचाती है।
3. तितली दूर-दूर तक उड़ती है।
4. पतंग का रंग पीला-लाल है।

(ग) 1. सूरज — आदित्य, दिवाकर, सूर्य
2. तितली — उचरंग, पंखी, पतंगम
3. चाँद — चंद्रमा, मयंक, सुधांशु

(घ) 1. चिड़ियाँ 2. तितलियाँ 3. पतंगे 4. मोमबत्तियाँ

(ङ) 1. असमान में पंछी उड़ते हैं।
2. अकड़ दिखाना अच्छी बात नहीं है।
3. शोर के कारण अजय परेशान हो गया।
4. पतंग उड़ाना अच्छा लगता है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

चिड़िया आकाश में उड़ती है। उससे जीवन में हमें ऊचाइयाँ छूने की प्रेरणा मिलती है। वह ची-ची, चूँ-चूँ शोर करती है। उससे जीवन में हँसते खेलते बोलते रहने अर्थात् खुश रहने की प्रेरणा मिलती है।

❑

11. घमंडी हाथी

(क) 1. (i) हाथी
2. (i) लोमड़ी
3. (ii) चींटी

(ख) 1. सभी जानवर हाथी से परेशान थे।
2. हाथी ने लोमड़ी, भालू और चींटी को लड़ने के लिए ललकारा।
3. चींटी ने कहा हमें किसी को छोटा नहीं समझना चाहिए और घमंड नहीं करना चाहिए।

(ग) 1. घमंड
2. बलवान
3. घुटने

(घ) 1. छोटा 2. कमजोर
3. पीछे 4. जीत

(ङ) 1. चींटियाँ 2. नदियाँ
3. घड़िया 4. भैंसे

(च) 1. शेर एक बहुत शक्तिशाली जीव है।
2. जंगली जीव जंगल में पाए जाते हैं।
3. ईश्वर संसार को बनाने वाला है।

जीवन-कौशल एवं मूल्य

हमें किसी को भी छोटा नहीं समझना चाहिए क्योंकि छोटा व्यक्ति भी अपनी बुद्धिमानी से हमें पटखनी दे सकता है। वही छोटे व्यक्ति का भी अस्तित्व होता है, स्वाभिमान होता है, अत: हमें किसी को भी छोटा नहीं समझना चाहिए।

❑

12. आज कल और परसों

(क) 1. (ii) बाजार में
2. (i) मैसूर
3. (ii) दशहरा

(ख) 1. दोनों मित्र बाजार में बातें करते हैं।
2. नंदिता तिरूपति जा रही है।
3. पवन मैसूर जा रहा है और परसों पहुँचेगा।
4. तिरूपति में भगवान विष्णु का मंदिर है।

(ग) 1. आज 2. कल सुबह 3. परसों

(घ) 2. सुबह — हम — ममता — तारीख
3. दिन — नन्दी — दीवार — रतन
4. कल — ललित — तस्वीर — रहना

(ङ) 1. कल
2. रात
3. शाम
4. बुरा
5. जाना

(च) 1. छुट्टियाँ
2. दवाएँ
3. हम
4. शुभकामनाएँ
5. तुम्हारे
6. माताएँ

(छ) 1. चाची
2. नानी
3. मामी
4. लड़की
5. पिता

(ज) 2. बुखार — ब + उ + ख + आ + र + अ
3. परिवार — प + अ + र् + इ + व + आ + र् + अ
4. पवन — प + अ + व + अ + न

(झ) स्वयं करें।

जीवन कौशल एवं मूल्य

स्वयं करें।

❑

13. खिलौनेवाला

(क) 1. (ii) तोता
2. (iii) गुड़िया ने
3. (ii) गेंद

(ख) 1. इस कविता की कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान हैं।
2. खिलौनेवाला कई तरह के सुंदर खिलौने लाया है।
3. एक पैसे में मिलने वाला खिलौना गेंद है।
4. रेल भक-भक की आवाज करती है।
5. सबसे छोटा खिलौना कानों की बाली है।
6. आजकल के बच्चे क्रिकेट खेल रहे हैं।
7. मेरा मनपसंद खेल क्रिकेट है।
8. क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल, जूडो, बैडमिंटन, कुश्ती, रेस, जिम्नास्टिक आदि।

(ग) 1. सुन्दर-सुन्दर
2. बहुत भली सी पहने
3. एक

(घ) 1. खिलौनेवाले 2. तोते
3. गाड़ियाँ 4. गुड़ियाएँ
5. पिंजड़े 6. अनेक
7. पैसे

(ङ) 1. पिता
2. खिलौनेवाली
3. गुड्डा

(च) छात्र स्वयं करें।

जीवन कौशल एवं मूल्य

1. खेल और खिलौने हमारे स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क के लिए आवश्यक है।
2. खेल और खिलौनों से संघर्ष करने की क्षमता उत्पन्न होती है।
3. खिलौनों से वस्तुओं को सहेजने की क्षमता पैदा होती है।

❑

14. नीम का पेड़

(क) 1. (iii) कड़वा
2. (ii) निबौरी
3. (iii) मेथेन

(ख) 1. नीम के पेड़ की ऊँचाई 50 से 130 फीट तक होती है।
2. नीम की चाय का प्रयोग सिरदर्द और बुखार कम करने के लिए किया जाता है।
3. टैनिन का उपयोग टैनिंग और रंगाई में किया जाता है।
4. जिससे नवजात शिशुओं को सुरक्षात्मक आभा प्रदान की जा सके।

(ग) 1. छायादार
2. चिकनपॉक्स
3. छाल
4. ऑक्सीजन

(घ) 1. वृक्ष — पेड़, द्रुम, तरू
2. गुणकारी — हितकारी, आरोग्यजनक, लाभकर
3. शीतल — शान्त, ठंडा, सर्द
4. आकर्षक — मोहक, खूबसूरत, सुंदर

(ङ) 1. मीठा 2. बदबू
3. अवगुण 4. उष्ण

(च) 1. हाथी बड़े आकार का जीव है।

2. औषधीय गुणों के कारण ही नीम गुणकारी वृक्ष कहलाता है।
3. आकर्षक व्यक्ति सबका दिल मोह लेता है।
4. बंजर भूमि में कोई फसल नहीं बोयी जाती है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

1. पेड़ जलवायु को सही रखते हैं।
2. पेड़ों से मिट्टी का कटाव रुकता है।
3. पेड़ों से अनेक प्रकार के फल प्राप्त होते हैं।
4. पेड़ों से अनेक प्रकार की औषधियाँ प्राप्त होती हैं।
5. पेड़ों से पर्यावरण संतुलित रहता है जो स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी है।

❑

15. मेरा विद्यालय

(क) 1. (ii) शांत
2. (iii) प्रधानाचार्य
3. (ii) हॉकी

(ख) 1. प्रत्येक कक्षा में दो या तीन अनुभाग हैं।
2. विद्यालय में लगभग ढाई हजार विद्यार्थी पढ़ते हैं।
3. विद्यालय की प्रधानाचार्य बहुत अनुशासनप्रिय महिला हैं।
4. खेल प्रशिक्षक क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, बैडमिंटन, खो-खो, कबड्डी आदि की ट्रेनिंग देते हैं।

(ग) 1. विद्यालय ग्लोबल स्कूल
2. अंकों
3. पुस्तकालय
4. पेड़-पौधे

(घ) 1. आदर्श — नमूना, मानक, प्रतिमान
2. विद्वान — पंडित, विज्ञ, कोविद
3. सुगंध — खुशबू, सुवास, महक
4. संग्रह — एकत्र, संचय, जोड़

(ङ) 1. अद्यम 2. अशांत
3. दिन 4. अवनति

(च) 1. शैक्षिक स्तर बढ़ाने का प्रयत्न प्रत्येक विद्यालय करता है।
2. सुसज्जित वस्तु सबको प्रभावित करती है।
3. अनुशासन से व्यक्ति श्रेष्ठ बनता है।
4. प्रतिस्पर्धा हमें आगे बढ़ने को प्रेरित करती है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

1. हमें अपने विद्यालय में पेड़-पौधों से बचकर निकलना चाहिए।
2. समय मिले तो अपनी बोतल का पानी पेड़-पौधों में डाल सकते हैं।
3. पेड़-पौधों के पास उगी घास और खरपतवार को हटा सकते हैं।
4. पेड़-पौधों को किसी प्रकार से नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए।

❑

16. हम होंगे कामयाब

(क) 1. (i) कामयाब
2. (ii) शांति
3. (i) विश्वास

(ख) 1. एक दिन चारों ओर शांति होगी।
2. एक दिन हम साथ-साथ चलेंगे।
3. मन में है विश्वास इसलिए किसी का डर नहीं है।

(ग) 1. कामयाब 2. शांति 3. साथ-साथ

(घ) 1. होगी 2. पूरी 3. चलेगी

(ङ) 1. हमारा राष्ट्र ध्वज में तीन रंगों केसरिया, सफेद और हरी पट्टियाँ हैं।
2. इसके मध्य में चक्र है जो अशोक स्तम्भ से लिया गया है।
3. केसरिया रंग शौर्य, सफेद रंग शांति और हरा रंग समृद्धि का प्रतीक है।
4. शोक के समय राष्ट्र ध्वज झुका दिया जाता है।
5. राष्ट्र ध्वज का सदा सम्मान किया जाता है। इसे सीधा लगाया जाता है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

छात्र स्वयं करें।

कला समन्वय

1. राष्ट्रीय पशु
2. राष्ट्रीय झंडा
3. राष्ट्रीय पक्षी
4. राष्ट्रीय पुष्प
5. राष्ट्रीय प्रतीक

❑

17. निमंत्रण

(क) 1. (ii) पीहू का
2. (iii) पंजाब का लोकनृत्य
3. (i) दिल्ली

(ख) 1. यह पत्र एक लड़की ने अपनी सहेली को लिखा।

2. दिल्ली भारत की राजधानी है।
3. कनॉट प्लेस दिल्ली का सबसे प्रसिद्ध बाजार है।
4. मुगल गार्डन एक प्रसिद्ध गार्डन है जो राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में स्थित है।
5. पुरानी दिल्ली में जामा मस्जिद और लाल किला तथा नई दिल्ली में संसद भवन और मुगल गार्डन हैं।

(ग) संज्ञा—लाल किला, मैदान, दशहरे, आयोजन, रवि, प्यार, चाचाजी, सहेली।
सर्वनाम—मैं, तुम्हारे, मेरा, तुम्हारी।

(घ) 2. चौगुना 3. तिगुना 4. पंचगुना

(ङ) 1. चाचा का विवाह हो गया।
2. सच कहूँ, बहुत आनंद आया।
3. वास्तव में दिल्ली सुंदर है।
4. इसका पुराना नाम इंद्रप्रस्थ था।
5. दिल्ली में अनेक दर्शनीय स्थान हैं।

❑

18. घर का वैद्य

(क) 1. (iv) ये सभी
2. (iii) तुलसी को

(ख) 1. अमूल्य
2. मस्तिष्क
3. जगत
4. लाभकारी

(ग) 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓)

(घ) 1. स्वस्थ मस्तिष्क स्वस्थ शरीर में निवास करता है।
2. ईश्वर ने हमारे उपयोग के लिए फलता-फूलता जगत बनाया है।
3. लोगों ने तुलसी को घर का वैद्य की संज्ञा प्रदान की है।
4. तुलसी को घर का वैद्य कहा गया है क्योंकि यह बुखार, कफ, गले में खराश, अस्थमा, गुर्दे से जुड़ी बीमारी एवं हृदय रोगों में लाभदायक है।

(ङ) 1. पौधा
2. घरों
3. कीटाणुओं
4. पत्तों

(च) 1. जगत 2. शक्ति 3. आदरणीय 4. वैद्य

(छ) 1. डॉक्टर 2. वार्षिक 3. वैज्ञानिक 4. पूजनीय
5. पौराणिक

(ज) **पत्ता**—इसके पत्तों का उपयोग चिकनपॉक्स के इलाज में किया जाता है।
निबौरी—निबौरी नीम का फल होता है इससे फुंसी, फोड़े सही होते हैं।
छाल—छाल में टेनिन होता है जो टैनिंग और रंगाई में उपयोग किया जाता है।
लकड़ी—नीम की लकड़ी से खिड़की, दरवाजा और फर्नीचर बनाया जाता है।

❑

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र-1 (अध्याय 1 से 9 तक पर आधारित)

(क) 1. (iii) ज्ञान
2. (iii) अकाल
3. (iii) मोहर

(ख) 1. एक बार देश में अकाल पड़ा।
2. नाव कागज की बनी हुई है।
3. बारिश की फौहारें अच्छी लगती हैं।
4. लोमड़ी भोजन की तलाश कर रही थी।

(ग) 1. नहीं 2. नहीं 3. नहीं 4. हाँ।

(घ) 1. अप्रसिद्ध 2. छोटा
3. अलग होकर 4. बुरा
5. अनेक

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र-2 (अध्याय 10 से 18 तक पर आधारित)

(क) 1. (i) सूरज
2. (ii) हाथी
3. (i) मैसूर

(ख) 1. नंदिता तिरूपति जा रही है।
2. तिरूपति में भगवान विष्णु का मंदिर है।
3. खिलौनेवाला अनेक प्रकार के खिलौने लाया है।
4. टेनिन का प्रयोग टैनिंग और रंगने में किया जाता है।

(ग) 1. छाल
2. पुस्तकालय
3. अंकों
4. साथ

(घ) 1. चाचा का विवाह हो गया।
2. वास्तव में, बड़ा आनंद आया।
3. वास्तव में दिल्ली सुंदर है।
4. इसका पुराना नाम इंद्रप्रस्थ था।